जीवन बहता पानी रे प्राणी

जीवन बहता पानी रे प्राणी काहे, करे तूँ गुमान रे ॥
करे तू गुमान रे, अरे इंसान रे ॥
दो दिन की जिंदगानी रे प्राणी काहे, करे तूँ गुमान रे
जीवन बहता पानी रे प्राणी...........

धन और दौलत, बड़ा ही कमाया, इस माया ने, हरी को भुलाया ॥
माया तो, आनी है जानी रे प्राणी काहे, करे तूँ गुमान रे
जीवन बहता, पानी रे प्राणी..........

काया पे काहे, मान करे हैं, इस पे तूँ क्यों, अभिमान करे हैं ॥
रहता न रूप जवानी रे प्राणी काहे, करे तू गुमान रे
जीवन बहता, पानी रे प्राणी ....

मोह माया से, प्रीत हटा ले, हरी नाम से, प्रीत लगा ले ॥
छोड़ दे यह मनमानी रे प्राणी काहे, करे तू गुमान रे
जीवन बहता, पानी रे प्राणी ....

अपलोड करता- अनिल भोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4082/title/jeewan-behata-pani-re-prani-kahe-kare-tu-gumaan-re-

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |